

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड
शक्ति भवन
14 - आर्थिक मार्ग, लखनऊ

संख्या- 211- विनियम-23/पाकालि/2001-11 विनियम/89

दिनांक : 6 दिसंबर 2001

कार्यालय ज्ञाप
=====

कारपोरेशन के ज्ञाप सं० 4- विनियम-23/पाकालि-2000-1/रेगु/2000 दिनांक 3-2-2000 द्वारा उ०प्र० पावर कारपोरेशन लिमिटेड में विनियम बनाये जाने तक उ०प्र० राज्य विद्युत परिषद द्वारा अने कार्मिकों के सेवामें सम्बन्धी मामलों के निस्तारणा हेतु बनाये गये विनियम अद्यतन से प्रोद्घात। एवं तत्सम्बन्धी जारी प्रशासनिक आदेशों को कारपोरेशन के कार्मिकों पर आवश्यक परिवर्तनों सहित Mutatis- Mutandis लागू रखाने के आदेश निर्गत किये गये हैं।

2. उक्त आदेशों के अन्तर्गत में उ०प्र० पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने निर्णय लिया है कि उपरोक्त सन्दर्भित ज्ञाप दिनांक 3.2.2000 के विन्दु 1 एवं विन्दु 2 पर उल्लिखित क्रमशः उ०प्र० राज्य विद्युत परिषद अभियन्ता सेवा विनियमावली-1970 एवं उ०प्र० राज्य विद्युत परिषद सहायक अभियन्ता सिविल सेवा विनियमावली-1970 के विनियम 5 में निहित प्राविधानों को अतद्वारा निम्नवत् प्रतिस्थापित कर लागू किया जाय :-

उ०प्र० राज्य विद्युत परिषद अभियन्ता सेवा
विनियमावली - 1970

विनियम - 5 भर्ती का श्रोत।

1। सेवा में भर्ती हेतु सहायक अभियन्ता के कुल स्वीकृत पद निम्नानुसार विभिन्न वर्गों में विभाजित रहेंगे तथा प्रत्येक वर्ग की रिक्तियों के विरुद्ध भर्ती/प्रोन्नति की कार्यवाही प्रत्येक वर्ग अलग-अलग की जायेगी। जितने वर्ग जितने वर्ग में पद रिक्त होंगे उसी वर्ग में भर्ती/प्रोन्नति की जायेगी।

क। 57 प्रतिशत ----- प्रशिक्षित अभियन्ताओं में से सीधी भर्ती हेतु।

ख। 33.33 प्रतिशत ----- अवर अभियन्ता से प्रोन्नति द्वारा चयन वर्ग के सदस्यों से परिशिष्ट "ग" में विहित रीति के अनुसार पदोन्नति हेतु।

ग। 1.33 प्रतिशत ----- स्थायी एवं अर्द्ध-गणको चयन वर्ग। विद्युत/यांत्रिक से परिशिष्ट "ग" में विहित रीति के अनुसार पदोन्नति हेतु।

9/10

1/10/01

17] 8.33 प्रतिशत ----- डिग्रीधारी अवर अभियन्ता/संगणकों से प्रोन्नति हेतु ऐसे अवर अभियन्ता/संगणकाजो बी०ई०/ए०एम०आई० की अर्हता प्राप्त हो तथा जिन्होंने चयन वर्ष के प्रथम दिवस 1 प्रथम जुलाई को अवर अभियन्ता/संगणक पद पर 10 वर्षों की अर्ह सेवा पूरी कर ली हो ।

प्रतिबन्धा यह है कि उपर्युक्त 17] के विरुद्ध भारे जाने वाले पदों की संख्या, अवर अभियन्ता व संगणकों में से बाटी जायेगी, जो उपर्युक्त 18] एवं 19] में वर्णित पदोन्नति के कोटे के अनुपात में होगी ।

30 प्र० राज्य विपुल परिषद सहायक अभियन्ता
[सिविल] सेवा विनियमावली- 1970

विनियम- 5 : भारती का श्रोत।

11] सेवा में भारती, किसी भी वर्ष में निम्न प्रकार से की जायेगी :-

111] परिशिष्ट "क" में वर्णित नियम व रीति के अनुसार सीधी भारती द्वारा----- 57 प्रतिशत

1111] परिशिष्ट "ख" में वर्णित रीति के अनुसार अवर अभियन्ता [सिविल] से पदोन्नति द्वारा ----- 33 1/2 प्रतिशत

11111] परिशिष्ट "ख" में वर्णित रीति के अनुसार स्थायी व अर्हता प्राप्त संगणकों [प्रचरण श्रेणी] [सिविल] से पदोन्नति द्वारा----- 1 1/2 प्रतिशत

11111] डिग्रीधारी अवर अभियन्ता/संगणक से प्रोन्नति हेतु ऐसे अवर अभियन्ता/संगणक जो बी०ई०/ए०एम०आई० की अर्हता प्राप्त हो तथा जिन्होंने चयन वर्ष के प्रथम दिवस 1 प्रथम जुलाई को अवर अभियन्ता/संगणक पद पर 10 वर्षों की अर्ह सेवा पूरी कर ली हो ----- 8.33 प्रतिशत

प्रतिबन्धा यह है कि उपर्युक्त 1111] के विरुद्ध भारे जाने वाले पदों की संख्या अवर अभियन्ताओं व संगणकों में से बाटी जायेगी, जो उपर्युक्त 111] एवं 11111] में वर्णित पदोन्नति के कोटा के अनुपात में होगी ।

निदेशक मण्डल की आज्ञा से

परशुराम सिंह
निदेशक को० प्र० एवं प्रशा०

19/1/75

संख्या - 21111 दिनांक-23/नवम्बर-2001 दिनांक 1

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सचनार्थी एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- प्रमुखा सचिव [उर्जा] उ०प्र० शासन, लखनऊ ।
- 2- अध्यक्ष एवं प्रबन्धा निदेशक, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लिमिटेड, लखनऊ ।
- 3- समस्त निदेशक, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लिमिटेड, लखनऊ ।
- 4- समस्त मुख्य महा प्रबन्धाक/महा प्रबन्धाक, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लिमिटेड,
- 5- मुख्य महाप्रबन्धाक/महाप्रबन्धाक/उप महाप्रबन्धाक, लेखा शाखा, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लिमिटेड
- 6- समस्त अधिकारी/अनुभाग, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लिमिटेड, लखनऊ ।
- 7- कम्पनी सचिव, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लिमिटेड, शक्ति भावन, लखनऊ को निदेशक मण्डल की दिनांक 1.12.2001 को सम्पन्न बैठक के मद्द संख्या - छब्बीस/91/2001 पर लिये गये निर्णय के अनुपालन आख्या स्वरूप ।

आज्ञा से,


[जे० पी० शास्त्री]
उप महाप्रबन्धाक